परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली

प्रधान संपादक
सिंघई राजेन्द्र जैन, 9407453066

सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884

कोषाध्यक्ष -
सुधेश कुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलंचद जैन, 9329524227

(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC Code: SBIN0030134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट - 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	3000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	250/-

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर अथवा श्री राजेन्द्रकुमार जैन हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड़, इन्दौर पर भेंजे।

जैन जगत ने खोया एक इतिहास महारथी - डॉ. कपूरचंद जैन खतौली।

संपूर्ण विद्वत जगत एवं जैन जगत में वक्ता, प्रवक्ता, आगमवेत्ता, लेखक, पत्रकार आदि तो बहुत हैं लेकिन जैन जगत की विशेषताएं बताने वाले इतिहासकार पुरुष यदि कोई थे तो वे एकमात्र व्यक्ति थे ''डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली''। जो अपनी सादगी, सहजता,सरलता व अपनत्व के कारण जाने जाते थे।

सरस्वती पुत्र डॉ. कपूरचंद जैन अंहकार, लोभ व आत्म प्रशंसा से कोसों दूर थे। आपका जन्म 1954 में बरधुवाँ (दतिया) में श्री लक्ष्मीचंद-दक्खाबाई जैन के घर हुआ था। प्रारंभिक शिक्षा बरुआ सागर से प्राप्त कर आप उच्च शिक्षा के लिए बनारस गये। एम.ए. पश्चात 1977 में आप कुन्द कुन्द महाविद्यालय खतौली में प्राध्यापक, 1980 में संस्कृति विभाग अध्यक्ष व 1990 में रीडर बने। इसी बीच 1985 में बरेली से पुरुदेव (ऋषभदेव) चम्पू पर पी.एच.डी. पर तत्कालीन जैन दर्शन का सर्वोच्च पुरस्कार ''महावीर पुरस्कार'' मिला। शास्त्री परिषद पुरस्कार, ऋषभदेव पुरस्कार, सहजानंद वर्णी पुरस्कार, आचार्य ज्ञानसागर पुरस्कार व अनेक पुरस्कार आपको प्राप्त हुये। 'स्वतंत्रता संग्राम में जैन' (प्रथम खंड) को तैयार करने में आपको 12 साल लगे। इस ग्रंथ में उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश व राजस्थान के 20 जैन शहीदों व 750 जेल यात्रियों का परिचय है। 'जैन विरासत' आपकी बहुचर्चित कृति है। आप नये विद्वानों व विद्यार्थियों को प्रेरणा देने में कभी पीछे नहीं रहे। इसी कारण से आप उनके बीच बहुत ही लोकप्रिय रहे।

संपूर्ण समाज में डॉ. कपूरचंद जैन व डॉ. ज्योति जैन का यह विद्वत जोड़ा किसी जुगाड़ या भाई भतीजावाद के कारण नहीं वरन् अपनी मेहनत, कार्यों व योग्यता के कारण पहचान रखता है। डॉ. कपूरचंदजी ने जैन जगत का इतिहास का गौरव बताते हुए 22 जुलाई 2016 को परम ज्योति में विलीन हो गये। जिससे संपूर्ण जैन जगत में शोक की लहर छा गई। जैन जगत के इतिहास को बताने वाली अनेक योजनायें उनके साथ ही समाप्त हो गई, इससे समाज को जो हानि हुई है उसका आकलन करना असंभव है। उनका असामयिक निधन हमें उस वेदना से आगाह करता है कि हमें हमारे विद्वानों को कितना सम्हालकर रखने की आवश्यकता है। डॉ. कपूरचंदजी ने जो किया वह लाखों करोड़ों रुपये में भी कोई नहीं कर सकता है।

श्री गणेशप्रसाद वर्णी के जीवन को आत्मसात करने वाले महामना इतिहासकार डॉ. साहब की विरासत को सहजने की आवश्यकता है। उनके हर कार्य में परछाई की तरह साथ निभाने वाली डॉ. ज्योति जैन जिन्हें असमय यह व्रजपात सहना पड़ा। वे आगम को जानती है, अपनी जिम्मेदारी भी समझती है। संपूर्ण जैन समाज उनसे आग्रह करे कि वे उनके शेष कार्यों को पूर्ण कर समाज के समक्ष आदर्श प्रस्तुत करे। हम सभी का कर्त्तव्य है कि ऐसे महारथी व्यक्तित्व के जीवन का हमारी आने वाली पीढ़ी अध्ययन करे व जाने कि किस तरह समर्पण से कार्य किया जाता है।

सादा जीवन, उच्च विचार के धनी डॉ. कपूरचंदजी ने जैन धर्म, संस्कृति के अनछुये पहलुओं के प्रचार प्रसार में पूरा जीवन समर्पित कर अपने संकल्प को पूरा किया।

फूल तो नहीं रहा मगर सौरभ कायम है,
नाविक तो नहीं रहा मगर किनारा कायम है।
न भूलेंगे आपके उपकारों को हम,
दीप तो रहा नहीं मगर ज्योति कायम है॥

जैन जगत के गौरवशाली अतीत को प्रकाश में लाने वाले डॉ. कपूरचंदजी जैन खतौली को गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

बधाईयाँ

मास्टर प्रणय संजय अंजू जैन ने 11 वर्ष की छोटी सी उम्र में लगातार 9 घंटे ड्रम बजाकर दो वर्ष पूर्व गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड बनाया था, तभी से नगर की संगीत से जुड़ी संस्थायें व व्यक्ति उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए विभिन्न आयोजन कर संगीत के क्षेत्र में उन्हें नये आयाम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करते रहे है। संगीत के माध्यम से ही मास्टर प्रणय ने इन्दौर के प्रसिद्ध बड़े अस्पताल के जीर्णोद्धार हेतु 1 लाख रुपये की राशि इन्दौर कमिश्नर को भेंट की है। मास्टर प्रणय जैन द्वारा शीघ्र ही एक ट्रस्ट का निर्माण किया जा रहा है जिसमें आंखो से संबंधित बीमारियों का ईलाज व 5000 ऑपरेशन कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। गोलालारीय परिवार उनके इस अद्भुत मिशन के लिए अपनी शुभकामनायें प्रेषित कर उनके इस समाजसेवी भाव को साधुवाद करता है।

डॉ. राहुल अशोककुमार जैन ने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय से एप्लाइड इकोनामिक्स एंड बिजनेस मेनेजमेंट विषय के अंतर्गत ''एनालिसिस ऑफ एक्सपोर्ट मार्केट ऑफ फूड प्राडक्ट इन इंडिया विद रेफरंस टू मिडिल ईस्ट कंट्रीज''पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। जिसके मार्गदर्शक डॉ. राजीव चौबे और डॉ. संजय जैन थे। गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से बहुत बहुत बधाई।

अंकुश अनिल-कल्पना जैन (सहा. प्रबंधक) मन्दसौर को एम.फार्मा में मध्यप्रदेश में टॉप करने पर स्वर्ण पदक राज्यपाल एवं कुलपति महोदय द्वारा भोपाल में दीक्षान्त समारोह में प्रदान दिया गया।

कु. प्रिया

जीत लिया जहां....

कु. आयुषी

सम्मान की बात होती है। और यदि यही परीक्षा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण कर ली जाये तो निःसंदेह गर्व का विषय हो जाता है। ये सम्मान अर्जित किया है हमारे समाज की दो होनहार छात्राओं ने इंदौर से। ये है **प्रिया प्रवीण जैन और आयुषी रजनीश जैन**। इन दोनों छात्राओं ने तमाम बाधाओं को पारकर न केवल इस कठिन परीक्षा को पास किया साथ ही साथ इस धारणा को भी तोडा है कि चार्टर्ड अकाउंटेसी जैसे क्षेत्र महिलाओं के लिए आसान नही है आज इनकी इस उपलब्धि पर इनके पूरे परिवार ही नही पूरे समाज को भी गर्व की अनुभूति हो रही है। इनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए गोलालारीय दर्शन शुभकामनायें देता है कि इनकी सफलताओं से कल पूरे देश को भी इन पर गर्व हो।

** प्रोत्साहित करें **

आपके परिवार के किसी भी सदस्य ने किसी भी क्षेत्र में विशेष उपलब्ध अर्जित की हो। वह हमारे लिए अति महत्वपूर्ण है। हम चाहते है सुखद पल को सभी समाजजनों के साथ बांटा जाये इसीलिये आप उनकी उपलब्धियों का पूर्ण विवरण फोटो के साथ गोलालारीय दर्शन के पते पर या ईमेल पर भेजें। (योग्य होने पर प्रकाशित किया जावेगा।)